मामलुक राजवंश, जिसे गुलाम राजवंश के रूप में भी जाना जाता है, दिल्ली सल्तनतों में से पहला था जिसने उत्तर भारत पर शासन किया था। यह भारतीय उपमहाद्वीप में खुद को स्थापित करने वाला पहला इस्लामी राजवंश होने के कारण महत्वपूर्ण है। मामलुक राजवंश के बारे में मुख्य बातें इस प्रकार हैं:

1. स्थापना**:**

- मामलुक राजवंश की स्थापना मुहम्मद गोरी की मृत्यु के बाद 1206 ई. में मुहम्मद गोरी के सेनापति कुतुब-उद-दीन ऐबक ने की थी।
- इस राजवंश को "गुलाम राजवंश" भी कहा जाता है क्योंकि इसके कई शुरुआती शासक गुलाम मूल के पूर्व गुलाम या सैन्य कमांडर थे।

2. Qutb-ud-din Aibak (1206-1210):

- कुतुब-उद-दीन ऐबक मामलुक राजवंश का पहला शासक था। उन्हें उत्तर भारत में सल्तनत की शक्ति को मजबूत करने के लिए जाना जाता है।
- उन्होंने दिल्ली में कुतुब मीनार का निर्माण शुरू कराया, जो आज भी एक प्रतिष्ठित स्मारक बना हुआ है।

3. इल्तुतमिश **(1211-1236):**

- इल्तुतमिश ने कुतुब-उद-दीन ऐबक का उत्तराधिकारी बनाया और साम्राज्य को स्थिर और विस्तारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- उन्हें एक औपचारिक प्रशासनिक प्रणाली स्थापित करने का श्रेय दिया जाता है, जिसमें "चांदी टंका" सिक्के की शुरूआत भी शामिल थी।

4. बलबन **(1266-1287):**

- गियास-उद-दीन बलबन एक शक्तिशाली शासक था जो अपने सख्त और सत्तावादी शासन के लिए जाना जाता था।
- उसने केन्द्रीय सत्ता को मजबूत किया और विद्रोहों का दमन किया।

5. धार्मिक नीति**:**

- मामलुक राजवंश के शासक मुख्य रूप से तुर्क और अफगान मूल के थे और सुन्नी इस्लाम का पालन करते थे।
- हालाँकि उन्होंने मुसलमानों के रूप में शासन किया, लेकिन उनके क्षेत्रों की अधिकांश आबादी हिंदू बनी रही।

6. चुनौतियाँ और गिरावट**:**

- राजवंश को मंगोल आक्रमण और आंतरिक कलह सहित चुनौतियों का सामना करना पड़ा।
- खिलजी वंश 1290 ई. में मामलुक वंश का उत्तराधिकारी बना।

7. विरासत**:**

- मामलुक राजवंश ने उत्तर भारत में बाद के इस्लामी राजवंशों की नींव रखी, जिनमें खलजी, तुगलक, सैय्यद और लोदी शामिल थे।
- इसने इस्लामी शासन की अवधि की शुरुआत को चिह्नित किया जो भारतीय उपमहाद्वीप में कई शताब्दियों तक जारी रहा।

8. वास्तुकला**:**

- मामलुक राजवंश ने भारत में इस्लामी वास्तुकला के विकास में योगदान दिया। उनके शासनकाल के दौरान निर्मित कुतुब मीनार इसका प्रमुख उदाहरण है।

दिल्ली में मामलुक राजवंश की स्थापना ने इस क्षेत्र में इस्लामी शासन की शुरुआत को चिह्नित किया और बाद के दिल्ली सल्तनत के लिए आधार तैयार किया। इसने मध्ययुगीन काल के दौरान उत्तर भारत के राजनीतिक और सांस्कृतिक परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

LEARNING MANTRAS